परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज
अन्तिम घंटे

सोमवार, 2 जुलाई 2012 श्रीरामशरणम्, हरिद्वार
साधना सत्संग का पांचवां दिन

प्रात: 4.45 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज सत्संग हॉल में पधारे और साधकों का अभिवादन किया।
प्रात: 5.00 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज ने साधकों को ध्यान में बैठाया।
प्रात: 5.25 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज ने धुन लगाई: ***श्री राम शरण जो आएगा, वो नाम खज़ाना पाएगा।***
प्रात: 5.28 बजे	:	साधकों ने भजन गाए।
प्रात: 5.57 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज ने धुन लगाई : ***दे दो राम, दे दो राम, मीठी वाणी दे दो राम,*** ***दे दो राम, दे दो राम, निर्मल बुद्धि दे दो राम*** ***दे दो राम, दे दो राम, दिव्य करनी दे दो राम।***
प्रात: 6.00 बजे	:	बैठक की समाप्ति।
प्रात: 6.01 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज अपने कमरे में वापिस आए और प्रात: की चाय ली।
प्रात: 6.25 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज श्रीरामशरणम् से नील धारा के लिए अपनी नियमित प्रात: की सैर के लिए चले।
प्रात: 6.40 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज नील धारा पहुँचे और पावन गंगा जी की ओर मुख करके अपने निर्धारित स्थान पर ध्यान में बैठे।
प्रात: 6.50 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज ने अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर आकाश की ओर देखा और **महा निर्वाण** प्राप्त किया।

कृपया पृष्ठ पलटिए

प्रात: 6.51 बजे	:	साधक परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज को कार में स्वामी रामकृष्ण परमहंस मिशन अस्पताल, कनखल, हरिद्वार में ले गए।
प्रात: 6.57 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज के साथ साधक भी अस्पताल पहुँचे। तुरन्त एमरजैंसी में डाक्टरों ने उन्हें Attend किया।
प्रात: 7.00 बजे	:	डाक्टरों नें पूज्य महाराज श्री जी की **महासमाधि** की पुष्टि की।
प्रात: 7.10 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज के निजी डाक्टर एवं हार्ट स्पैशलिस्ट डा० राजेश बहल जो एक वरिष्ट साधक हैं और साधना सत्संग में सम्मिलित थे, ने भी इसकी पुष्टि की।
प्रात: 7.30 बजे	:	परम पूज्य स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज को **श्रीरामशरणम् हरिद्वार** में लाया गया और सत्संग हॉल में बैठी हुई मुद्रा में उन्हें दर्शनों हेतु रखा गया।

गुरु पूर्णिमा, मंगलवार 3 जुलाई, 2012

प्रात: 5.40 बजे	:	सारे भारत एवं विदेशों से हरिद्वार में आए साधकों द्वारा पुष्पांजलि आरम्भ की गई।
प्रात: 11.00 बजे	:	भण्डारा – प्रसाद आरम्भ हुआ जो कि अपराह्न 2.30 बजे तक चला।
अपराह्न 1.00 बजे	:	पुष्पांजलि समाप्त हो गई और अन्तिम यात्रा की तैयारियां आरम्भ हुईं।
अपराह्न 3.00 बजे	:	नील धारा के लिए अन्तिम यात्रा आरम्भ हुई।
अपराह्न 4.05 बजे	:	नील धारा पर आगमन जिसके बाद **अमृतवाणी संकीर्तन** हुआ।
सायं 6.00 बजे	:	पूज्य महाराज श्री के पहले दिए हुए निर्देशों के अनुसार हरिद्वार में **नील धारा पर पावन गंगा में जल समाधि दी गई।**